फलों व सब्जियों की ढुलाई के लिए सारथी बनेगा सहारा

जागरण विशेष

अजय राय • जागरण

नई दिल्ली: राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान ने 'सारथी' (सोलर अस्सिटेड रेफ्रिजरेशन ट्रांसपोर्टेशन विद हाइब्रिड कंट्रोल एंड इंटेलीजेंस) नाम का एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है जो फल और सब्जियों को अलग-अलग तापमान पर रखने और एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित पहुंचाने में मदद करेगा।

इसमें एक मोबाइल एप के जरिये तापमान, नमी, कार्बन डाइआक्साइड और इथिलीन की स्थिति की दूर से निगरानी और नियंत्रित किया जा सकता है। फल और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए 0-4 डिग्री और 8-12 डिग्री तापमान पर फलों व सब्जियों को रखा जा सकता है। रास्ते में एयर सर्कुलेशन के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है। इस तकनीकी के साथ ये भारत का पहला ऐसा परिवहन रेफ्रीजरेशन है, जो फलों और सब्जियों की दूर-दूर तक ढुलाई में मददगार साबित हो सकता है।

वर्ल्ड फूड इंडिया प्रदर्शनी में पेश किया स्मार्ट रीफर ट्रांसपोर्टेशन वाहन • जागरण

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अतंर्गत हरियाणा में सोनीपत में स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (निफटेम) ने हाइब्रिड नियंत्रण और इंटेलिजेंस के साथ सौर ऊर्जा आधारित ट्रांसपोर्टेशन को विकसित किया है। देश में अब तक एक ही कंटेनर में विभिन्न तापमान और सापेक्ष आर्द्रता की स्थिति में फलों और सब्जियों का परिवहन के लिए प्रणाली विकसति नहीं की गई थी। फल और सब्जियों की ताजगी बनाए रखने के लिए उन्हें अनुकूल स्थिति देनी होती है। परिवहन के दौरान तापमान में बदलाव से इनमें काफी बदलाव आते हैं, जिससे फल और सब्जी खराब हो जाते हैं। इस विशेष वैन को दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया प्रदर्शनी में पेश किया गया था। नवाचार से जुड़े निफटेम के सह प्रध्यापक डा. विंकेल कुमार अरोड़ा ने बताया कि यह बंद कंटेनरों के अंदर खराब होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता के बारे में प्रभावी निर्णय लेने में मदद करता है, जिससे ढुलाई में उनके बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलती है। वाहन खराब उत्पादों को गंतव्य की जगह पास के बाजार तक पहुंचा सकता है।

> सारथी- जल्दी खराब होने वाली खाद्य वस्तुओं के नुकसान और बर्बादी को कम करने के लिए यह नवाचार किया गया है। सारथी- किसानों, खुदरा विक्रेताओं, खाद्य प्रोसेसर और उद्यमियों के लिए एक सच्चा सारथी है, जो खराब होने वाले खाद्य पदार्थों की बर्बादी और नुकसान को कम करता है।
>
> **डा. हरेंद्र सिंह ओबेराय**, निदेशक

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

अमर उजाला

सूर्योदय सुबह 6:25
सूर्यास्त शाम 5:50
स्थानीय समयानुसार

360 temperature 27°
अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान देखें- amarujala.com/weather

रोहतक | वीरवार | 17.10.2024
आश्विन, पूर्णिमा, विक्रम संवत-2081
amarujala.com/sonipat

सोनीपत

आयोजन

निफ्टम में मनाया विश्व खाद्य दिवस, संस्थान में तैयार खाद्य उत्पादों की लगाई प्रदर्शनी

खाद्य सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर किया मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

राई। कुंडली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में बुधवार को विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्यातिथि के रूप में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव मिन्हाज आलम ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि एसआरएम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. परमजीत एस. जायसवाल और क्रेमिका फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ डॉ. संजय सिंह परमार पहुंचे।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सीईओ जीके वर्धन राव कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। निफ्टम के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबरॉय ने अतिथियों का स्वागत कर खाद्य क्षेत्र में निफ्टम की उपलब्धियों, कार्यक्रमों व आधारभूत सुविधाओं से अवगत कराया। मुख्यातिथि मिन्हाज आलम ने कहा कि भारत सरकार खाद्य सुरक्षा और खाद्य बर्बादी के विषय पर बेहद गंभीर है। सरकार की तरफ से अनेक कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा में शोध व विकास और स्थानांतरण तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और प्रबंधन के क्षेत्र में निफ्टम के योगदान की सराहना की। उन्होंने रिमोट बटन दबाकर निफ्टम गीत का अनावरण किया। जीके वर्धन राव ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर कहा कि खाद्य शोध के क्षेत्र में निफ्टम की अहम भूमिका है। निफ्टम आईआईटी व आईआईएम की तरह देश का महत्वपूर्ण संस्थान है।

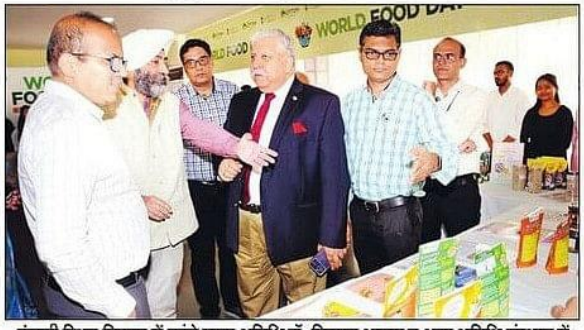

कुंडली स्थित निफ्टम में पहुंचे मुख्य अतिथि डॉ. मिन्हाज आलम व अन्य अतिथि संस्थान में तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। स्रोत : संस्थान

विशिष्ट अतिथि डॉ. परमजीत एस. जायसवाल ने विश्व खाद्य दिवस के इतिहास व उसकी महत्ता से अवगत कराया। डॉ. संजय सिंह परमार ने खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

इस दौरान निफ्टम के छात्र-छात्राओं की तरफ से संस्थान में तैयार खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों व सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रशंसा की।

सोनीपत भास्कर
नीपत, गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024 गोहाना • गन्नौर खरखौदा • राई dainikbhaskar.com

पैकेजिंग फूड की डिमांड बढ़ी, रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे

भास्कर न्यूज | सोनीपत

बदलते दौर में पैकेजिंग फूड की डिमांड बढ़ी है। पौष्टिकता और शुद्धता के साथ अगर इस डिमांड को पूरा करने की तरफ कदम बढ़ेंगे तो रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता और प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) में विश्व खाद्य दिवस मनाकर खाद्य सुरक्षा और इस क्षेत्र में स्वरोजगार पर मंथन किया गया। मुख्य अतिथि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव मिन्हाज आलम, विशिष्ट अतिथि एसआरएम विश्वविद्यालय सोनीपत के कुलपति डॉ. परमजीत एस जायसवाल और क्रेमिका फूड पार्क प्रा.लि. के सीईओ डॉ. संजय सिंह परमार रहे। एफएसएसएआई के सीईओ जी.के. वर्धन राव ने बतौर मुख्य अतिथि ऑनलाइन शिरकत की। निफ्टेम के निदेशक डॉ. हरिन्दर सिंह ओबरॉय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खाद्य क्षेत्र में निफ्टेम की उपलब्धियों, कार्यक्रमों और आधारभूत सुविधाओं से अवगत कराया। मिन्हाज आलम ने कहा कि भारत सरकार खाद्य सुरक्षा और खाद्य बर्बादी के विषय पर बेहद गंभीर है। इस संदर्भ में सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि खाद्य सुरक्षा में शोध और विकास तथा ट्रांसफर टेक्नोलॉजी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और प्रबंधन के क्षेत्र में निफ्टेम के योगदान की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने रिमोट बटन दबाकर निफ्टेम गीत का अनावरण किया। जीके वर्धन राव ने ऑनलाइन अपने संबोधन में कहा कि खाद्य शोध के क्षेत्र में निफ्टेम की बेहद अहम भूमिका है। इससे नए प्रोडेक्ट बाजार में बेहतर क्वालिटी के साथ उपलब्ध होंगे। डॉ. परमजीत एस. जायसवाल ने विश्व खाद्य दिवस के इतिहास एवं उसकी महत्ता से अवगत कराया और डॉ. संजय सिंह परमार ने खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलूओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर निफ्टेम के छात्र-छात्राओं द्वारा संस्थान में तैयार खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

पाठक एवं एजेंट नोट करें
पंजाब केसरी, जग बाणी एवं हिन्द समाचार में विज्ञापन एवं सर्कुलेशन संबंधी पूछताछ एवं किसी समस्या के बारे निम्नलिखित नम्बर पर सम्पर्क करें :
0181-2212121
ई-मेल : jagbani@pkesari.in

सोनीपत केसरी

THURSDAY, 17 OCTOBER 2024 सूर्यास्त (आज) 05.50 सूर्योदय (कल) 06.25 अगले 24 घंटों के दौरान मौसम साफ रहेगा।

निफ्टेम में मनाया विश्व खाद्य दिवस, खाद्य सुरक्षा पर किया मंथन

सोनीपत, 16 अक्तूबर (ब्यूरो): राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता और प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) में विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव मिन्हाज आलम, विशिष्ट अतिथि एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, सोनीपत के कुलपति डॉ. परमजीत एस. जायसवाल और क्रेमिका फूड पार्क के सी.ई.ओ. डॉ. संजय सिंह परमार रहे।

एफ.एस.एस.ए.आई. के सी.ई.ओ. जी.के. वर्धन राव ने बतौर मुख्य अतिथि ऑनलाइन शिरकत की। निफ्टेम के निदेशक डॉ. हरिन्द्र सिंह ओबरॉय ने खाद्य क्षेत्र में निफ्टेम की उपलब्धियों, कार्यक्रमों और आधारभूत सुविधाओं से अवगत कराया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि व अन्य।

मिन्हाज आलम ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार खाद्य सुरक्षा और खाद्य बर्बादी के विषय पर बेहद गम्भीर है। इस सन्दर्भ में सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि खाद्य सुरक्षा में शोध और विकास तथा ट्रांसफर टैक्नोलॉजी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और प्रबंधन के क्षेत्र में निफ्टेम के योगदान की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने रिमोट बटन दबाकर निफ्टेम गीत का अनावरण किया। बतौर मुख्य अतिथि जी.के. वर्धन राव ने ऑनलाइन अपने सम्बोधन में कहा कि खाद्य शोध के क्षेत्र में निफ्टेम की बेहद अहम भूमिका है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. परमजीत एस. जायसवाल ने विश्व खाद्य दिवस के इतिहास एवं उसकी महत्ता से अवगत कराया और डॉ. संजय सिंह परमार ने खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर निफ्टेम के छात्र-छात्राओं द्वारा संस्थान में तैयार खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई, जिसका अवलोकन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के अलावा सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने किया।